हादसा | सड़क दुर्घटना में 6 लोग घायल, तीन को जबलपुर किया गया रेफर

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, बच्ची की मौत

शहपुरा नवभारत 22 मार्च। शहपुरा थाना क्षेत्र के बडझर गांव के पास कार अचानक अनियंत्रित होकर पेड से टकरा गई, जिसके चलते 5 वर्षीय बच्ची की हादसे में मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा पहुंचाया गया, जहां से तीन घायलों को प्राथमिक उपचार के उपरांत जबलपुर रवाना किया गया।

एक ही परिवार के लोग नवोदय विद्यालय धमनगांव गए थे। वहां से लौटते समय अचानक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई और हादसा हो गया। शहपुरा पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में दीपा कछवाहा, चांदनी कछवाहा, सविता कछवाहा, वेद कुशवाहा, गणेश कछवाहा, रामदयाल कछवाहा, बिहारी लाल कछवाहा घायल हो गए, जबकि र रूपाली कछवाहा उम्र 5 वर्ष की हादसे में मौत हो गई।

कुएं में गिरने से तेंदुए की मौत, वन अमले ने निकाला बाहर

चिल्हारी नवभारत। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महरोई में शनिवार को एक नर तेंदुए की कुएं में गिरने से मौत हो गई। तेंदुए की उम्र लगभग चार वर्ष बताई गई है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कुएं से शव को बाहर निकाला। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत डॉग स्क्वॉड और मेटल डिटेक्टर से क्षेत्र की सघन जांच की गई। पशु चिकित्सक एवं वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी की टीम द्वारा किए गए शव परीक्षण में तेंदुए की मौत का कारण कुएं मे डूबना पाया गया।

अंतिम संस्कार किया-इसके उपरांत क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय, एनटीसीए प्रतिनिधि, तहसीलदार मानपुर, वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, सरपंच पनपथा तथा अन्य वन अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति मे शव का अंतिम संस्कार किया गया।

बूथ प्रबंधन चुनावी विजय रथ का आधार है : पांडे

नवभारत उमरिया 22 मार्च। राजनीतिक दल के लिए मतदान केंद्र पर जाकर वहां की स्थानीय समिति एवं बूथ का प्रबंधन चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा होता है। बूथ प्रबंधन के बिना बूथ की रणनीति तय नहीं की जा सकती। बूथ प्रबंधन में बूथ पर रहने वाले की वोटर, मतदाता सूची के पन्ना प्रभारियों, बूथ में निवासरत प्रबुद्ध जन, चिकित्सक, सामाजिक सरोकारों से संबंध रखने वाले सामाजिक मुखिया, महिला प्रतिनिधि, युवा साथी सभी की सहभागिता के आधार पर बूथ समिति का निर्माण होता है। लगातार बैठकों के माध्यम से सरकार की योजनाएं आम लोगों तक पहुंचे इस बात की रणनीति तय करना अति आवश्यक है। बूथ प्रबंधन विषय पर भारतीय जनता पार्टी की प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने बिलासपुर मंडल के कार्यकर्ताओं से बूथ तक प्रवास करने की अपील की।

छात्रों ने जाना वन्यजीव और पर्यावरण का महत्व

प्रशिक्षण में संभागीय कमिश्नर ने किया उत्साहवर्धन

चिल्हारी नवभारत 22 मार्च। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व मे गत दिवस विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक, वन्यजीव एवं वन प्रबंधन भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उक्त जानकारी क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने देते हुए बताया कि विद्यार्थियों को वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। भ्रमण मे नर्मदांचल विद्यापीठ एवं वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास, बरगांव, जिला डिंडोरी के 56 छात्र तथा 5 सदस्य शामिल हुए। इस मौके पर उन्हे ताला स्थित इको सेंटर में बांधवगढ़ क्षेत्र की जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण, वन प्रबंधन एवं पर्यावरण संतुलन की जानकारी दी गई।

विभिन्न वन्यजीवों का किया अवलोकन

भ्रमण के दौरान छात्रों ने बाघ सहित विभिन्न वन्यजीवों का अवलोकन किया। उन्हे चीतल, सांभर, काकड़ एवं नीलगाय जैसे शाकाहारी जीवों की जानकारी भी दी गई तथा क्षेत्र में पाई जाने वाली औषधीय एवं अन्य वृक्ष प्रजातियों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर संभागायुक्त शहडोल सुरभि गुप्ता ने भी पहुंचकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें शिक्षा, रोजगार तथा जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी।

कठौतिया सुड़गांव व मेहंदवानी में गूंज रही देवी भागवत कथा

चैत्र नवरात्रि विशेष : भक्ति, आस्था और उल्लास से सराबोर हुआ पूरा क्षेत्र

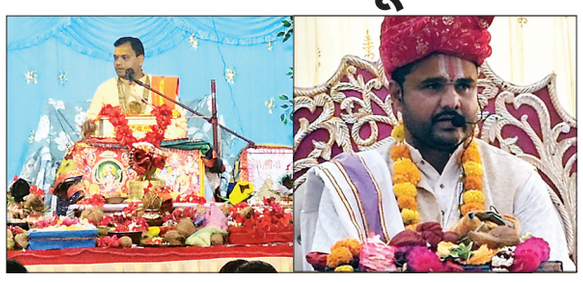

शहपुरा नवभारत 22 मार्च। चैत्र नवरात्रि पर्व पर जिले के कठौतिया सुड़गांव एवं मेहंदवानी में श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। पिछले चार दिनों से निरंतर चल रही इस कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। गांव-गांव में भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है और पूरा क्षेत्र देवीमय हो उठा है।

कठौतिया सुड़गांव में मंडला के पौराणिक पंडित अमन पाठक द्वारा कथा का रसपान कराया जा रहा है। उन्होंने देवी की महिमा, विभिन्न चरित्रों एवं सृष्टि की उत्पत्ति का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। कथा के दौरान ब्रह्मा, विष्णु और महेश की उत्पत्ति के साथ ही जगत जननी जगदंबा के प्राकट्य का भावपूर्ण चित्रण किया गया। साथ ही राजा परीक्षित की कथा विस्तार बताई

देवी जन्मोत्सव में झूम उठे श्रद्धालु-कथा के मध्य देवी जन्मोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया। बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूम उठे और जमकर नृत्य किया। पूरा पंडाल जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा। इसके पश्चात विधिवत आरती-पूजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

मां दुर्गा की सजीव झांकी रही आकर्षण का केंद्र-कठौतिया सुड़गांव में 7 वर्षीय बच्ची नमामि साहू को मां दुर्गा की सजीव झांकी के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण बनी रही। पारंपरिक वेशभूषा और मनमोहक साज-सज्जा में सजी नमामि को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। उपस्थित लोगों ने भावपूर्वक पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया और इस सुंदर प्रस्तुति की सराहना की।

मेहंदवानी के शारदा मंदिर में प्रवचन-मेहंदवानी स्थित शारदा मंदिर प्रांगण में धनुआसागर से पधारे सुप्रसिद्ध पौराणिक पंडित शुकदेव द्विवेदी शास्त्री द्वारा कथा का वाचन किया जा रहा है। उन्होंने देवी के विभिन्न रूपों, अवतारों और उनके द्वारा दुष्टों के संहार की गाथाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि मां दुर्गा ने समय-समय पर अवतार लेकर धर्म की रक्षा और अधर्म के विनाश के लिए कार्य किया है।

भक्ति में डूबा जनमानस-दोनों ही स्थानों पर आयोजित इस महापुराण कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और युवा सभी श्रद्धा के साथ कथा श्रवण कर रहे हैं। आयोजकों द्वारा सुचारू व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पूरे आयोजन ने क्षेत्र में भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर दिया है।

झोलाछाप डॉक्टर गीत सिंह कर रहा एलोपैथिक उपचार

हरि मेटिंग के पीछे चल रहा मौत का खेल?, मेडिकल संचालक के कहने पर ग्रामीण मरीजों की जान से किया जा रहा खिलवाड़

अमरपुर नवभारत 22 मार्च। जिले के ग्रामीण क्षेत्र इन दिनों बंगालियों के लिए सुरक्षित स्थान बने हुए हैं, जो वर्षों से इलाज के नाम पर मरीजों की जान को जोखिम में डाल रहे हैं। यहां खुलेआम ग्रामीण मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।

इस पर अंकुश लगाने की पहल जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा नहीं की जा रही है, जिसके परिणाम स्वरूप बंगालियों के जाल में जिले के भोले भाले ग्रामीण फंस रहे हैं, जो चिंता का सबब है। अभी तक उच्च स्तर पर जारी हुए आदेश का पालन भी स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य आधिकारियों द्वारा नहीं किया गया है, जिससे इनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे है।

कई ग्रामीण जान गंवा चुके हैं

ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानें खोल प्रैक्टिस कर रहे इन झोलाछाप डॉक्टरों को जिम्मेदार अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है, ऐसा कहना गलत नहीं होगा, तभी तो वर्षों से बिना रोकटोक इनकी दुकानें संचालित हो रही है। अभी तक अनेकों ऐसे मामले प्रकाश में आ चुके हैं, जिनमें इन बंगालियों झोलाछाप डॉक्टरो के गलत इलाज के चलते ही ग्रामीण मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं।

आखिर कब कार्रवाई करेंगे जिम्मेदार

जानकारों की माने तो वर्षों से डिंडोरी जिले के ग्रामीण क्षेत्र में अप्रशिक्षित बंगाली झोलाछाप विशेषज्ञ बनकर ग्रामीण मरीजों को इलाज के नाम पर लूट रहे हैं। जहां एक ओर ग्रामीणों की जान को जोखिम में डाला जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर इन्हीं ग्रामीणों की पूंजी लूटी जा रही है। गलत इलाज के अनेक पीड़ित अपनी जान से हाथ धो चुके हैं और मामला प्रकाश में आने पर भी विभागीय जिम्मेदार अधिकारी औपचारिकता कार्यवाही इतिश्री कर मामले को ठंडा बस्ते में डालने से पीछे नही है।

मेडिकल संचालक पर आरोप

अमरपुर मुख्यालय मंडला रोड में लगभग 20 वर्षों से ग्रामीणों की जान से खिलवाड़ कर रहे झोला छाप गीतसिंह द्वारा बताया गया कि वह मेडिकल संचालक के निर्देश पर यहां ग्रामीणों का इलाज कर रहा है। उसके पास एलोपैथिक दवा लिखने की कोई भी डिग्री नहीं है, लेकिन वह ग्रामीण मरीज के लिए मेडिकल संचालक के कहने पर ही अंग्रेजी दवाओं को लिखता है। बता दें कि झोलाछाप डॉक्टर गीत सिंह द्वारा अमरपुर जनपद मुख्यालय में बिना किसी भय के लगभग 20 वर्षों से प्रैक्टिस कर रहा है। ग्रामीणों की जिंदगी से खिलवाड़ हरि मेटिंग के पीछे हो रहा है, जिसकी जानकारी विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारी सहित जिला स्तर के अधिकारियों को भी है। बावजूद इसके आज तक झोलाछाप गीतसिंह के ऊपर कार्रवाई नहीं की गई।

ग्राम बेल्दी में निकली विशाल चुनरी यात्रा

भंडारे का किया आयोजन

चिल्हारी नवभारत 22 मार्च। रविवार को चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर उमरिया जिले के मानपुर जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम छोटी बेल्दी से बडी बेल्दी तक विशाल चुनरी यात्रा निकाली गई। इसमें श्रद्धालु भारी संख्या में कड़कड़ाती धूप में पैदल चुनरी यात्रा में शामिल हुए।

भक्तों ने 251 मीटर की ज्यादा लंबी चुनरी, ढोल-नगाड़ों और जय माता दी के जयकारों के साथ मां दुर्गा को अर्पित की। यह यात्रा आपसी भाईचारे और आस्था का प्रतीक बनीं, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। यात्रा का शुभारंभ छोटी बेल्दी हनुमान मंदिर से हुआ, जहां विधि विधान से पूजा अर्चना सुंदरकांड उपरांत भव्य गाजे बाजे के साथ यात्रा शुभारंभ किया गया। चुनरी यात्रा गांव भ्रमण करते हुए 4 किलोमीटर दूर तय कर बड़ी बेल्दी पहुंची, जहां जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। खेर माई माता बड़ी बेल्दी में चुनरी भेंटकर यात्रा का समापन हुआ, जिसमें भारी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीणों ने शामिल होकर जय माता दी के जयकारे लगाए।

श्रद्धा, संस्कृति और प्रतिभा का दिखा अद्भुत संगम

चैत्र नवरात्रि पर करौंदी में रामलीला का शुभारंभ

शहपुरा नवभारत 22 मार्च। करौंदी ग्राम में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर संस्कार रामलीला मंडली द्वारा भव्य रामलीला का शुभारंभ अत्यंत धार्मिक उल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंच दशनाम जूना अखाड़ा के संत महंत भगतगिरी बच्चू महाराज ने विधिवत मुकुट किरीट पूजन कर किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। रामलीला के प्रथम दिवस 'नारद मोह' एवं 'विश्वमोहिनी स्वयंवर' जैसे रोचक प्रसंगों का जीवंत मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। करौंदी सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम देखने पहुंचे और देर रात तक रामभक्ति में लीन रहे।

स्थानीय कलाकारों ने बिखेरा प्रतिभा का जलवा-इस रामलीला की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें सभी कलाकार स्थानीय गांव करौंदी एवं बांकी के युवा हैं। नारद की भूमिका में शिक्षक टंकेश्वर दुबे, कालादेव के रूप में पत्रकार भीमशंकर साहू, इन्द्र बने मोन्टू साहू, कामदेव के रूप में शैलेन्द्र साहू, राजा शीलनिधि आशीष साहू, विष्णु बने हरीश दुबे एवं शंकर जी की भूमिका में टेकचंद साहू ने शानदार अभिनय किया। वहीं व्यास के रूप में हरि प्रसाद महापात्र एवं गोरेलाल साहू, ढोलक पर छोटू दास टांडिया और कृष्णा साहू ने मंचन को जीवंत बना दिया। महंत भगतगिरी बच्चू महाराज ने कहा कि स्थानीय युवाओं द्वारा इस तरह के आयोजन सनातन संस्कृति को जीवित रखने का सशक्त माध्यम हैं। रामलीला हमें भगवान राम के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देती है।

इनकी रही उपस्थिति-इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रियंका आर्मो एवं भाजपा नेता राजेंद्र तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पूजा-अर्चना कर रामलीला का शुभारंभ किया और कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सराहना की। विधायक ने मंच से कलाकारों को पुरस्कृत भी किया।

कौशल बने मप्र राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश मंत्री

चिल्हारी नवभारत 22 मार्च। हाल ही में मध्य प्रदेश राज्य पंचायत परिषद प्रदेश कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें कौशल बाबा पाठक को संगठन ने मध्य प्रदेश राज्य पंचायत परिषद का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया। श्री पाठक ने लगातार सामाजिक क्षेत्र एवं पत्रकारिता क्षेत्र में नए-नए आयाम स्थापित किए। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ पूर्व जिला अध्यक्ष उमरिया रह चुके हैं, साथ ही मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश संयुक्त सचिव हैं तथा मध्य प्रदेश पंचायत परिषद मऊगंज के पूर्व जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री पाठक ने कहा कि संगठन जिम्मेदारी दी है उसे मै पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।

नर्मदांचल विद्यापीठ में कंप्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन

शहपुरा नवभारत 22 मार्च। जनजातीय शिक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नर्मदांचल विद्यापीठ अंतर्गत जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल, बरगांव में 21 मार्च को अत्याधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला (लैब) हिंदुस्तान कापर लिमिटेड मलाजखंड माइनस के सीएसआर से प्रदत्त का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बालाघाट-सिवनी क्षेत्र की सांसद भारती पारधी ने की, जबकि हिन्दुस्थान कॉपर लिमिटेड के सीएमडी संजीव कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विज्ञान भारती के राष्ट्रीय अधिकारी डॉ. नर्मदा प्रसाद शुक्ल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर मलाजखंड कॉपर प्रोजेक्ट के कार्यकारी निदेशक एवं यूनिट हेड नागेश शेनॉय, जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल के सचिव डॉ. सुनील कांत बाजपेयी, सह-सचिव ज्ञानेंद्र सिंह सहित श्याम सिंह, जाम सिंह, सतीश चौबे, गुरुदेव, उमेश रजक, विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण बिलैया, डॉ. हरिशंकर मरकाम एवं अश्विनी साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन आभा गुल्हानी ने किया।

भारतीय किसान संघ का हाईवे जाम का ऐलान

किसानों के सब्र का बांध टूटा, 42 गांव उतरेंगे सड़क पर

नवभारत उमरिया 22 मार्च। जिले में किसानों की समस्याओं को लेकर अब माहौल गरमाने लगा है। भारतीय किसान संघ ने प्रशासन की लगातार अनदेखी से नाराज होकर आंदोलन का रास्ता चुन लिया है। संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो शहडोल-घुनघुटी हाईवे को पूरी तरह जाम कर दिया जाएगा।

भारतीय किसान संघ जिला अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल के नेतृत्व में कई बार कलेक्टर उमरिया को विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद प्रथम स्मरण पत्र कलेक्टर को और द्वितीय स्मरण पत्र आयुक्त शहडोल संभाग को दिया गया, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

प्रशासन किसानों की समस्याओं पर उदासीन

संघ का आरोप है कि प्रशासन किसानों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह उदासीन बना हुआ है। एक ओर जहां प्रदेश सरकार किसानों के हित में योजनाओं और घोषणाओं की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उमरिया जिला प्रशासन इन समस्याओं से आंखें मूंदे बैठा है। किसान संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि कई बार प्रशासन से चर्चा और बैठक के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन हर बार उन्हें नजरअंदाज किया गया।

अनिश्चितकालीन आंदोलन की दी चेतावनी

भारतीय किसान संघ ने ऐलान किया है कि अब घेरा डालो, डेरा डालो आंदोलन के तहत शहडोल-घुनघुटी हाईवे को पूरी तरह बंद किया जाएगा। इस आंदोलन में 42 गांवों के किसान शामिल होंगे, जो सड़क पर ही रहकर खाना-पीना और डेरा डालेंगे। संघ ने साफ कर दिया है कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक किसानों की मांगें पूरी नहीं हो जातीं।

समस्या | अनेक गांवों में पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंची

सूखी टंकियां, बेजान पाईप लाईन, पीएम का सपना अधूरा

नवभारत उमरिया 22 मार्च। प्रदेश सरकार की महात्वाकांक्षी हर घर नल-हर घर जल योजना जिले मे कागजों और अधूरे ढांचों तक सिमट कर रह गई है। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी हालात यह हैं कि अनेक गांवों मे पानी की एक बूंद तक नहीं पहुंच पा रही है, जिससे योजना की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मानपुर जनपद क्षेत्र के उरदना, लखनौटी, कुटुलिया, पटेहरा, छपडौर, नौगमा, सेहरा, बघडो और कटहार सहित दर्जनों गांव आज भी योजना के लाभ से वंचित हैं। इन गांवों मे वर्षों पहले बनाई गई पानी की टंकियां सूखी खड़ी हैं, जबकि मीलों लंबी पाइप लाइनें बिछाने के बावजूद सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है।

गर्मी में और भी भयावह होते हैं हालात

ग्रामीणों का कहना है कि योजना की शुरुआत भले ही बड़े दावों और प्रचार के साथ हुई, लेकिन क्रियान्वयन पूरी तरह लचर साबित हुआ। नतीजा यह है कि भारी-भरकम बजट खर्च होने के बावजूद लोगों को आज भी कुएं, हैंडपंप और नदी-नालों के सहारे ही गुजारा करना पड़ रहा है। गर्मी बढ़ते ही स्थिति और भयावह हो जाती है। पानी के लिए ग्रामीणों को कई किलोमीटर तक भटकना पड़ता है, जिसमें महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती है।

अनियमितताओं के चलते उद्देश्य से भटकी योजना

गौरतलब है कि ग्रामीण अंचलों को जल संकट और दूषित पानी के कारण होने वाली बीमारियों से स्थायी निजात दिलाने के लिए सरकार ने नल-जल योजना लागू की गई थी, लेकिन लापरवाही और अनियमितताओं के चलते यह योजना अपने उद्देश्य से भटकती नजर आ रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और अधूरी योजनाओं को तत्काल पूरा कर गांवों में नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

भ्रष्टाचार ने योजना को लगाया पलीता

स्थानीय लोगों ने योजना में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से अधूरे और गुणवत्ताहीन कार्यों का भुगतान कर दिया गया। कहीं पाइप लाइन अधूरी छोड़ दी गई है, तो कहीं टंकी और मोटर लगाने के बाद भी घरों तक कनेक्शन नहीं दिए गए।